महत्वपूर्ण एवं खास

इण्डेन डिस्टीब्यूटर शिप दिलाने का झांसा देकर ऑनलाईन 3 लाख की ठगी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। इण्डेन गैस का डिस्टीब्यूटर दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से ऑनलाईन 3 लाख 5800 रुपये का धोखाधड़ी कर लेने की रिपोर्ट पण्डरी थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार यू 24 दूबे कालोनी मोवा पण्डरी रायपुर निवासी अलवर्ट कुजूर 58 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 02 जुलाई को अज्ञात मोबाईल क्रमांक 8016637100 के धारक ने इण्डेन डिस्टीब्यूटर का विज्ञापन दिया था। जिसे देखकर कॉल करने पर मोबाईल फोन धारक ने प्रार्थी को ऑनलाईन फार्म भरवाने का झांसा देकर मोबाईल बैकिंग एवं नेफ्ट के माध्यम से 3 बार में 3 लाख 5800 रुपये की ऑनलाईन अपने खाते में जमा कराकर धोखाधड़ी किया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाईल फोन धारक के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध कामय कर मामला दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री बघेल ने अपने निवास में केन्द्रीय मंत्री शेखावत का आत्मीय स्वागत किया

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। शेखावत जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे थे। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार, कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविंद्र चौबे और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ने की मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक बिग्रेडियर विवेक शर्मा (व्हीएसएम) ने सौजन्य मुलाकात की। बिग्रेडियर शर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भूतपूर्व सैनिकों एवं सैनिक विधवाओं एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए बोर्ड द्वारा संचालित कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी।

शादी से इंकार करने पर युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, प्रेमी के खिलाफ अपराध दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। प्रेम प्रसंग के मामले में प्रेमी द्वारा शादी से इंकार करने तथा मानसिक प्रताड़ना से तंग युवती ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मामले की शिकायत खम्हारडीह थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्रीन ग्लौरी के सामने आकाश शर्मा के मकान खम्हारडीह रायपुर निवासी प्रतिभा रत्नाकर 25 वर्ष पिता मनहरण लाल रत्नाकर ने अपने कमरे में 17 जुलाई 2021 को 1.23 बजे अज्ञात कारणो से आत्महत्या कर लिया। मामले की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में जुटी थी। जांच के दौरान मृतिका प्रतिभा रत्नाकर के माता-पिता तथा उसके रुम मेंट एवं अन्य लोगों से पता चला कि अनमोल टोप्पो निवासी बलरामपुर वाड्रफनगर बसंतपुर ने प्रार्थिया को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसका जीवन बरबांद करने के बाद शादी से इंकार कर दिया तथा मानसिकरुप से प्रताड़ित होने से वह फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी अनमोल टोप्पो के खिलाफ धारा 306 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

जनसुविधा की दृष्टि से हमने किया राज्य में 29 नई तहसीलों और 4 नए अनुविभागों का गठन- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

» छत्तीसगढ़ को लघु वनोपज की खरीदी के लिए 11 राष्ट्रीय पुरस्कार

» मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में 'आदिवासी अंचलों की अपेक्षाएं और विकास' विषय पर की बातचीत

» कुसमुरा में ग्रामवासियों ने सुनी लोकवाणी

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज लोकवाणी की 20वीं कड़ी में 'आदिवासी अंचलों की अपेक्षाएं और विकास' विषय पर प्रदेशवासियों से बात-चीत करते हुए सबसे पहले छत्तीसगढ़ी में प्रदेशवासियों को पारंपरिक हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति के अनुसार हरेली साल का पहला त्यौहार है। इस दिन अपने गांव-घर, गौठान को लीप-पोत कर तैयार किया जाता है। गौमाता की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया भावना को ध्यान में रखते हुए हरेली सहित पांच त्यौहारों में सरकारी छुट्टी घोषित की गई है। उन्होने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद प्रदेश में पहली बार विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इससे सभी लोगों को आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृतियों और उनके उच्च जीवन मूल्यों को समझने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को अगस्त माह में आने वाले त्यौहार हरेली, नागपंचमी, राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, ओणम, राखी, कमरछठ और कृष्ण जन्माष्टमी की भी बधाई दी।

29 नई तहसीलों और 04 अनुविभागों का गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ढाई वर्षों में 29 नई तहसीलें और 4 नए अनुविभाग गठित किए हैं, उनमें से अधिकतर आदिवासी अंचल में ही हैं। हमारा यह मानना है कि नई प्रशासनिक इकाईयों के गठन से लोगों को अपनी भूमि, खेती-किसानी से संबंधित काम, बच्चों की पढ़ाई, नौकरी या रोजगार से संबंधित कामों के लिए आसानी होगी। सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होगा। इसे ही हमने प्रशासनिक संवेदनशीलता का मूलमंत्र बनाया है।

52 वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी- मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन से हमें लगा था कि आदिवासी अंचलों और शेष क्षेत्रों के बीच विकास का अंतर दूर कर लिया जाएगा, लेकिन विगत 15 वर्षों में यह अंतर और भी अधिक बढ़ गया है। इसलिए हमने सबसे पहले विश्वास जीतने की बात की। इसके लिए निरस्त वन अधिकार पट्टों के दावों की समीक्षा, जेल में बंद आदिवासियों के प्रकरणों की समीक्षा कर अपराध मुक्ति, बड़े उद्योग समूह के कब्जे से आदिवासियों की जमीन वापस लौटाने का निर्णय, तेंदूपत्ता संग्रहण दर 2500 रुपए से बढ़ाकर 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा करने का निर्णय लिया गया। इससे आदिवासी अंचलों में सरकार और व्यवस्था के प्रति विश्वास का नया दौर शुरू हुआ है। हमने 7 से बढ़ाकर 52 वनोपज को समर्थन मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था की, पुरानी दरों को भी बदला जिसके कारण वनोपज संग्रह से ही 500 करोड़ रुपए से अधिक अतिरिक्त सालाना आमदनी का रास्ता बन गया। अनुसूचित क्षेत्रों में कोदो, कुटकी, रागी जैसी फसलों को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने के इंतजाम किए गए हैं तथा लाख को कृषि का दर्जा दिया गया है। वन अधिकार मान्यता पत्रधारी परिवारों के खेतों में उपजे धान को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था की गई है। देवगुड़ी और घोटुल स्थलों का विकास कर आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पांच वर्ष से कम उम्र के 37.7 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार थे और 15 से 49 वर्ष तक की 47 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया अर्थात खून की कमी से ग्रस्त थीं। आदिवासी जिलों में हालत और भी खराब थी। इसे देखते हुए हमने मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान शुरू किया, जिसमें डीएमएफ और जनभागीदारी के योगदान को बढ़ावा दिया। योजना के माध्यम से बच्चों को दूध, अण्डा, स्थानीय प्रचलन के अनुसार पौष्टिक आहार दिया, जिसके कारण कुपोषण और एनीमिया की दर में तेजी से कमी आ रही है।

प्रदेश में 14 हजार 580 शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति- बघेल ने बताया कि कोरोना काल में पढ़ाई तुंहर पारा अभियान के तहत लाखों बच्चों को उनके गांव-घर-मोहल्लों में खुले स्थानों पर भी पढ़ाया गया। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को मातृभाषा में समझाना अधिक आसान होता है इसलिए हमने 20 स्थानीय बोली-भाषाओं में पुस्तकें छपवाई, जिसका लाभ आदिवासी अंचलों में मिला। बीस साल बाद प्रदेश में 14 हजार 580 शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियुक्ति आदेश दे दिए गए हैं। इससे आदिवासी अंचलों में भी शिक्षकों की कमी स्थायी रूप से दूर हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सभी से बहुत सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व-त्यौहार मनाते समय फिजिकल डेस्टिंसिंग का पालन करें, मास्क का उपयोग करें, हाथ को साबुन-पानी से धोते रहें तथा टीका जरूर लगवाएं। खुद को बचाए रखना ही सबसे जरूरी उपाय है।

मुख्यमंत्री बघेल ने राम-वन-गमन पथ पर बात करते हुए कहा कि यह बहुत गर्व का विषय है कि भगवान राम का अवतार जिस काम के लिए हुआ था, उन प्रसंगों की रचना छत्तीसगढ़ में हुई। वास्तव में भगवान राम छत्तीसगढ़ में कौशल्या के राम और वनवासी राम के रूप में प्रकट होते हैं। यह अद्भुत संयोग है कि भगवान राम का छत्तीसगढ़ में प्रवेश, संचरण और प्रस्थान सघन आदिवासी अंचल में ही हुआ। कोरिया जिले के सीतामढ़ी हरचौका में प्रवेश और सुकमा जिले के अंतिम स्थान कोंटा तक उनकी पदयात्रा। एक बार फिर राम के रास्ते पर चलते हुए अगर हम 2 हजार 260 किलोमीटर सड़कों का निर्माण करते हैं तो इससे पूरे रास्ते में विकास के दीये जल उठेंगे। आस्था के साथ जुड़ी सड़कें, सुविधाओं के साथ आजीविका के नए-नए साधन भी आएंगे। यह समरसता और सौहार्द्र के साथ वनवासी राम के प्रति आस्था का परिपथ बनेगा, जो नदियों, नालों, झरनों, जल प्रपातों, खूबसूरत जंगलों से गुजरते हुए सैकड़ों पर्यटन स्थलों का उद्धार करेगा।

रायगढ़ जिले में भी उत्साहपूर्वक लोकवाणी का श्रवण किया गया। ग्राम कुसमुरा में सनत कुमार नायक, गौठान समिति अध्यक्ष वीरेंद्र नायक, राजेश नायक, अजय निषाद, जगदीश सिदार, भरत लाल निषाद, राकेश नायक, मिथलेश शुक्ला, धर्म सिंह चौहान, सोहन लाल यादव, नरेश नायक, गुड्डू चौधरी, अशोक कुमार सिदार व दाता राम नायक ने लोकवाणी का श्रवण किया।

हाथकरघा बुनकरों को सशक्त बनाने राज्य सरकार संकल्पबद्धः मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार कार्यक्रम में हुए शामिल

» बुनकर परिवारों के 623 प्रतिभावान बच्चों को मिली 50.78 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि

» हथकरघा बुनकरों के कारोबार में 60 हज़ार से अधिक लोगों को मिल रहा रोजगार

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में बुनकर परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्र प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्र कुमार, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ के अध्यक्ष मोतीलाल देवांगन, राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर प्रदेश के सभी बुनकर परिवारों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी आंदोलन प्रमुख आंदोलनों में था। स्वदेशी उद्योगों, स्वदेशी भावनाओं को प्रोत्साहित करने में हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। सामाजिक-आर्थिक विकास में हाथकरघा बुनकरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हाथकरघा बुनकरों व श्रमिकों को अधिक से अधिक अवसरों द्वारा सशक्त बनाने के लिए हम सभी संकल्पबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण में हाथकरघा कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ में हाथकरघा बुनकरों के कल्याण और विकास की जो जिम्मेदारी संघ को सौंपी गई है, वो उसे बहुत गम्भीरता से निभा रहे हैं। हाथकरघा बुनकरों के कारोबार में 60 हज़ार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। खुशी की बात है कि विगत ढाई वर्षों में संघ के माध्यम से 745 करोड़ के वस्त्रों की आपूर्ति सरकारी विभागों को की गई है, जिससे बुनकरों को 220 करोड़ रुपए के पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है।

एक लाख के ईनामी नक्सली जनमिलिशिया कमाण्डर गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना अरनपुर क्षेत्र के ग्राम अरनपुर मासापारा में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर कोण्डापारा से ग्राम अरनपुर भीमापारा की ओर सर्चिंग में सीआरपीएफ के एफ 231 बटालियन को रवाना किया गया, ग्राम कोण्डापारा से ग्राम भीमापारा के मध्य स्थित तालाब के पास घेराबंदी कर सुरक्षा बलों के द्वारा 01 लाख रूपये का ईनामी नक्सली जनमिलिशिया कमाण्डर माड़वी मासा पिता माड़वी मरका निवासी पोरोपरिया थाना गादीरास को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली के कब्जे से 01 नग नक्सल बैनर, इलेक्ट्रोनिक डेटोनेटर 02 नग, बिजली का तार 15 मीटर मय स्वीच, जिलेटिन स्टिक 13 नग, पेसिल सेल 03 नग, कोडेक्स वायर 02 फीट, पिटू 01 नग एवं अन्य दैनिक उपयोगी समाग्री बरामद किया गया। गिरफ्तार नक्सली माड़वी मासा क्षेत्र में नक्सलियों के बड़े लीडरों के आने पर उनके लिये संत्री डियुटी करना, सड़क खोदकर मार्ग बाधित करना, भोजन व्यवस्था करना, गांव में मिटिंग आयोजित करना, पुलिस पार्टी की सूचना नक्सलियों तक पहुंचाने का काम करता था।

वन क्षेत्र में हाथियों के लिए रखे धान की निगरानी ट्रैप कैमरा से करने के निर्देश

» वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन विभाग की कैम्पा मद के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर (आरएनएस)। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन विभाग के अंतर्गत कैम्पा मद के कार्यों की समीक्षा की। अकबर ने प्रदेश में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथियों के भोजन व्यवस्था के लिए उनके विचरण क्षेत्र में धान उपलब्ध कराए जाने के प्रयोग की समीक्षा करते हुए वन क्षेत्र में जहां पर धान रखा गया है, वहां पर ट्रैप कैमरा लगाकर इसकी निगरानी कर अवगत कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री अकबर ने सभी मुख्य वन संरक्षकों और वन मंडलाधिकारियों को कैम्पा मद के वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2020-21 के कार्यों को माह नवम्बर और वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2021-22 के कार्यों को मार्च 2022 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को वन और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। वन मंत्री अकबर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कैम्पा मद से कराए जा रहे कार्यों की वृत्तवार समीक्षा की। विशेष रूप से वर्तमान वर्षा ऋतु में कराए गए वृक्षारोपण की समीक्षा की, जिसमें वृक्षारोपण के कार्य लगभग पूर्णता की ओर पाए गए। उन्होंने इसके साथ ही मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा समर्थक हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बॉर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आकलन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, बच्चों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं तकनीकिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

एमएमयू में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी, इलाज से दूर हो रही है बीमारी

» मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजनाः पुरुषों से 16 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं उठा रही स्वास्थ्य लाभ

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के नगरीय निकायों में संचालित होने वाली सर्वसुविधायुक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट में बड़ी संख्या में बीमार महिलाएं अपना उपचार कराकर ठीक हो रही है। एमएमयू में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से बीमार महिलाओं की समस्या का निःशुल्क समाधान होने के साथ घर परिवार में भी खुशियों के साथ स्वस्थ माहौल बनने लगा है।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत प्रदेश के 14 नगर पालिक निगमों में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट में इलाज कराने लोगों का रुझान बढ़ता ही जा रहा है। योजना के प्रारंभ होने के महज 9 माह के भीतर ही इस योजना से 7 लाख से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया है। खास बात यह है कि घरेलू कार्यों में उलझी होने की वजह से अस्पताल जा नहीं पाने वाली स्लम क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह योजना बहुत ही लाभदायक साबित हो रही है। एमएमयू में अभी तक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वाले लोगों में पुरूष और महिलाओं का आँकड़ा देखे तो पुरूषों के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक महिलाओं ने अपना उपचार कराया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के नेतृत्व में 1 नवम्बर 2020 को प्रारंभ हुई इस योजना में 14 नगर पालिक निगम में 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन प्रारंभ किया गया। यह योजना झुग्गियों सहित आसपास रहने वाली महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो रही है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के टीम द्वारा समय पर चयनित बस्तियों में शिविर लगाए जाने के बाद आसपास की महिलाओं के लिए इलाज कराना आसान हो गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट में उपचार कराने वाली शांति बाई का कहना है कि वह एक दुकान में काम करती है। उसके मुहल्ले में ही मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुँच जाने से उन्हें अनावश्यक अस्पताल जाना नहीं पड़ा।